बी०ए० संस्कृत

सत्र- द्वितीय (Semester –II)

नैतिकमूल्यपरक पाठ्यक्रम **श्रेष्ठ जीवन एवं नैतिकता** **पूर्णाङ्क -50**

Paper BSA–V222 **सत्रान्त परीक्षा -30**

आन्तरिक परीक्षा-20

सकल-अर्जिताधिभार 02

पाठ्यक्रम उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य संस्कृत साहित्य में निहित नैतिक मूल्यों से छात्रों को परिचित कराना तथा संस्कारित करना है। एतर्थ इस पाठ्यक्रम में संस्कार, पञ्च महायज्ञ तथा संस्कृत साहित्यगत नैतिक मूल्यों को समाविष्ट किया गया है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम

CO1 पञ्चमहायज्ञ के स्वरूप से परिचित होंगे।
CO2 मानव जीवन में संस्कारों की महत्ता जानेंगे एवं उनके अनुष्ठान में कुशल होंगे।
CO3 छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।
CO4 छात्र धर्म के यथार्थ स्वरूप तथा उसके समालोचनात्मक स्वरूप को जानेंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (20 अंक) एवं सत्रान्त परीक्षा (30 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में 10 अंक सत्रीय परीक्षा, 05 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 05 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I मानव जीवन एवं नैतिकता

1 नैतिकता का स्वरूप एवं महत्त्व

2 श्रेष्ठता एवं सफलता का आधार नैतिकता

3 पञ्च महायज्ञ का परिचय एवं महत्त्व

4 संस्कारों का परिचय एवं महत्त्व

Unit-II धर्म एवं नैतिकता

1 धर्म का स्वरूप - मनु० 2/35 , 4/240 - 243, 6-13 , 6/92-94
(क) ब्रह्मचारी के नियम - मनु० 2/177 -183 , 191 -202 , 218
(ख) गायत्री जप विधि - मनु० 2/75 - 85 , 106
2 प्रात: जागरण - मनु० 4/ 92 - 94
3 यम नियम - जीवन एवं समाज में महत्त्व (योग दर्शन द्वितीय पाद के अनुसार)
4 आहार शुद्धि एवं सत्त्व शुद्धि
(क) सात्विक आहार - गीता-4/30, 6/16-17, 9/26-27 , छान्दोग्य उपनिषद् -2/26
(ख) भक्ष्याभक्ष्य मनु० - 5 / 2, 3, 4, 5 ; 8/ 46, 49, 51

5 भोजन मन्त्र - अन्नपते..... एवं मोघमन्नं विन्दते..... दोनों मन्त्रों का अर्थ सहित स्मरण

Unit-III उन्नतिकारक वेद एवं नीति वचन

1 चाणक्य नीति 5/7 -20 (13 श्लोक) आलस्योपहता विद्या (7 /01- 20) प्रमुख श्लोक

2 विदुर नीति - पण्डित के लक्षण अध्याय 1/20-24

3 साम्मनस्य सूक्त अथर्ववेद 3/30

4 ब्रह्मचर्य सूक्त- प्रमुख मन्त्र अथर्ववेद 11/5 (1-10)

5 अमृत अभिलाषी बालक - (कठोपनिषद् प्रथम वल्ली की कथा)

Unit-IV प्रयोगात्मक

1 नैतिकता प्राप्ति के साधन - ध्यान एवं प्राणायाम का अभ्यास

2 प्राणायाम - दीर्घ श्वसन , अनुलोम विलोम अन्त : कुम्भक , बाह्य कुम्भक

3 घर में अतिथि यज्ञ एवं बलिवैश्वदेव यज्ञ का अभ्यास

4 अग्निहोत्र अनुष्ठान

संस्तुत ग्रन्थ-

1. पञ्च महायज्ञ विधि - महर्षि दयानन्द सरस्वती,आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट, खारी बावड़ी, दिल्ली
2. पञ्च यज्ञ प्रकाश - स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती , गुरुकुल प्रभात आश्रम, भोला, मेरठ उत्तर प्रदेश
3. संस्कार विधि - महर्षि दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट, खारी बावड़ी, दिल्ली
4. मनुस्मृति - कुल्लुक भट्ट - टीका , चौखम्भा संस्कृत भवन, पो० बाक्स नंबर 1160 , चौक वाराणसी
5. योग दर्शन - द्वितीय पाद, गीता प्रैस, गोरखपुर
6. चाणक्य नीति- चौखम्भा प्रकाशन, नई दिल्ली
7. विदुर नीति - विजय कुमार गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क, नई दिल्ली

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	पञ्चमहायज्ञ के स्वरूप से परिचित होंगे।	PO.4
CO2	मानव जीवन में संस्कारों की महत्ता जानेंगे एवं उनके अनुष्ठान में कुशल होंगे।	PO.4
CO3	छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।	PO.6
CO4	छात्र धर्म के यथार्थ स्वरूप तथा उसके समालोचनात्मक स्वरूप को जानेंगे।	PO.11 एवं 4

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.4, PO.6, PO.11 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।।